

# چرا آنروز سکوت کردم

نعیم احمدی نژاد فرسنگی

www.ketab.ir



انتشارات قلم نعیم

سرشناسه : احمدي نژاد فرسنگي، نعيم ، ۱۳۶۲  
عنوان و نام پديدآور : چرا آنروز سكوت كردم / نعيم احمدي نژاد فرسنگي  
مشخصات نشر : كرمان ، قلم نعيم ، ۱۴۰۰ .  
مشخصات ظاهري : ۴۲ ص  
شابك : ۹۷۸-۶۲۲-۹۸۷۲۶-۱-۱  
وضعيت فهرست نويسي: فيبا .  
موضوع : شعر فارسي - قرن ۱۴  
موضوع : persian poetry—20th century  
رده بندي كنگره: PIR۸۳۳۴  
رده بندي ديويي: ۸۱۶۲/۸  
شماره كتابشناسي ملي : ۸۴۹۷۳۴۷

چرا آنروز سكوت كردم  
شاعر: نعيم احمدي نژاد فرسنگي  
صفحه آرايي و طراحي جلد : نعيم احمدي نژاد فرسنگي  
قيمت: ۳۰۰۰۰ تومان  
شمارگان: ۱۰۰۰ نسخه  
نوبت چاپ: اول/ ۱۴۰۰  
چاپ و صحافي: قلم نعيم  
شابك: ۹۷۸-۶۲۲-۹۸۷۲۶-۱-۱

حق چاپ محفوظ است.

## فهرست مطالب

|         |                  |
|---------|------------------|
| ۵.....  | شعر اول.....     |
| ۶.....  | شعر دوم.....     |
| ۷.....  | شعر سوم.....     |
| ۸.....  | شعر چهارم.....   |
| ۹.....  | شعر پنجم.....    |
| ۱۰..... | شعر ششم.....     |
| ۱۱..... | شعر هفتم.....    |
| ۱۲..... | شعر هشتم.....    |
| ۱۳..... | شعر نهم.....     |
| ۱۴..... | شعر دهم.....     |
| ۱۵..... | شعر یازدهم.....  |
| ۱۶..... | شعر دوازدهم..... |
| ۱۷..... | شعر سیزدهم.....  |
| ۱۸..... | شعر چهاردهم..... |
| ۱۹..... | شعر پانزدهم..... |
| ۲۰..... | شعر شانزدهم..... |
| ۲۱..... | شعر هفدهم.....   |
| ۲۲..... | شعر هجدهم.....   |
| ۲۳..... | شعر نوزدهم.....  |

|         |                       |
|---------|-----------------------|
| ۲۴..... | شعر بیستم.....        |
| ۲۵..... | شعر بیست و یکم.....   |
| ۲۶..... | شعر بیست و دوم.....   |
| ۲۷..... | شعر بیست و سوم.....   |
| ۲۸..... | شعر بیست و چهارم..... |
| ۲۹..... | شعر بیست و پنجم.....  |
| ۳۰..... | شعر بیست و ششم.....   |
| ۳۱..... | شعر بیست و هفتم.....  |
| ۳۲..... | شعر بیست و هشتم.....  |
| ۳۳..... | شعر بیست و نهم.....   |
| ۳۴..... | شعر سی ام.....        |
| ۳۵..... | شعر سی و یکم.....     |
| ۳۶..... | شعر سی و دوم.....     |
| ۳۷..... | شعر سی و سوم.....     |
| ۳۸..... | شعر سی و چهارم.....   |
| ۳۹..... | شعر سی و پنجم.....    |
| ۴۰..... | شعر سی و ششم.....     |
| ۴۱..... | شعر سی و هفتم.....    |